ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-02-2021

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-02-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-02-17	2021-02-18	2021-02-19	2021-02-20	2021-02-21
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	17.0	17.0	18.0	18.0
न्यूनतम तापमान(से.)	4.0	3.0	3.0	4.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	35	40	45
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	50	50	55	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	340	310	340	60	310
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	3	0	1	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनो मे वर्षा की सम्भावना नहीं है।अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 17.0 से 18.0 व 3.0 से 5.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6 किमी/घंटे की गति से मुख्यतः उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। आगामी 26 फरवरी तक मौसम के साफ रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है।

सामान्य सलाहकार:

कोरोना कोविड-19 के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह है कि तैयार फसलों की कटाई तथा अन्य कृषि कार्यो के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशो जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अन्तराल पर हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनो मे वर्षा की सम्भावना नहीं है तद्पश्चात्, 26 फरवरी तक मौसम के साफ रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
फील्ड पी	फलियों में दाना बनते समय खेत में नमी की कमी होने पर पानी की उपलब्धतानुसार सिंचाई करें।
टमाटर	रात के दौरान नर्सरी बेड को पॉलिथीन शीट से ढक दें और सुबह उन्हें हटा दें।
रेपसीड	तोरिया की फसल तैयार होने पर काट लें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की पत्तियॉ उपर से पीली पड़ने पर प्रोपीकोनाजोल या टेबूकोनाजोल का 1 मिली0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
आलू	आलू की बुवाई हेतु खेत की तैयारी कर अन्तिम सप्ताह में कुफरी ज्योति किस्म की बुवाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	भैंस के 1-4 माह के नवजात बच्चों की आहार नलिका में टाक्सोकैराविटूलूरम (केचुआँ/पटेरा) नामक परजीवी पाए जाते है। इसे पटेरा रोग भी कहते है। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10-15सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10-15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।
भेंस	भैंस के 1-4 माह के नवजात बच्चों की आहार नलिका में टाक्सोकैराविटूलूरम (केचुआँ/पटेरा) नामक परजीवी पाए जाते है। इसे पटेरा रोग भी कहते है। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10-15सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10-15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।